शासकीय पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय

(शंकर नगर) धरसींवा, रायपुर (छत्तीसगढ़)

विविधा

2019-20

www.gpssc.in dharsiwacollege1989@gmail.com 9893043414

Special Thanks to Artist ***Mr. Bipin Bhagat*** *for contributing this beautiful painting.*

Accept the **Changes**
Adopt the **Situations**
Search for the **Possibilities**
Step forward for the new **Experiences**

क्यो डरे जिंदगी में क्या होगा ।
कुछ नहीं तो तजुर्बा होगा ।।

विविधा

वार्षिक पत्रिका

सत्र 2019-20

संरक्षक

डॉ. डी. एस. जगत
(प्राचार्य)

पत्रिका समिति
सुश्री अदिति भगत (पत्रिका प्रभारी)

डॉ. सुनीता दुबे (सदस्य)
डॉ. रश्मि कुजूर (सदस्य)

शासकीय पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय
(शंकर नगर) धरसींवा, रायपुर (छत्तीसगढ़)

E-mail : dharsiwacollege1989@gmail.com, website-www.gpssc.in, Contact No - 9893043414

संपादकीय

पत्रिका समिति में पहले सदस्य, फिर प्रभारी के रूप में विविधा के निरंतर तीसरे संस्करण को प्रकाशित करने में योगदान देना मेरे लिए सौभाग्य की बात है । मुझे बहुत ही सुखद व रोमांचक अनुभूति हुई की किस प्रकार चंद पन्नों में एक पूरा वर्ष समा जाता है। वार्षिक पत्रिका में महाविद्यालय में व्याप्त लेखन रचनात्मकता एवं साहित्यिक भाव को व्यक्त करने का खुला मंच तो मिलता ही है, साथ ही प्रत्येक वर्ष की स्मृतियों को आकर्षक रूप से संजोने का भी स्थान मिलता है ।

इस वर्ष भी अपने लेखन शैली एवं भाव से महाविद्यालय परिवार ने (विविधा) को सराबोर किया है । विद्यार्थियों की स्वरचित मनोरम लेखन कृतियों से विविधा पुनः सुशोभित है।

विविधा **2017-18** में हमने नैक मूल्यांकन की अंतिम तैयारियों को संजोया था तथा उसकी टैगलाइन **'Believe in Yourself'** रखी थी, इसी प्रकार **2018-19** में बी-ग्रेड प्राप्ति के पश्चात् अगले पड़ाव की शुरुआत के तौर पर टैगलाइन **'A New Beginning'** रखी गई। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए इस सत्र की विविधा **2019-20** विकास को प्रदर्शित करते हुए **"Forwards to Growth"** टैग लाइन के साथ आकर्षक रूप में आप सबके समक्ष प्रस्तुत है ।

आभार अभिव्यक्त करना चाहूँगी हमारे प्राचार्य महोदय का जिन्होंने विविधा को पिरोने का अवसर प्रदान किया, तथा आभार पत्रिका समिति एवं पूरे महाविद्यालय परिवार व प्रिय विद्यार्थियों का जिनके पूर्ण योगदान के बिना विविधा सम्पूर्ण नहीं हो सकती थी ।

There is something special
when creative people get together

By: Joy Mangano

धन्यवाद....!

सुश्री अदिती भगत
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य विभाग)

प्राचार्य की कलम से....

सत्र **2018-19** में अपने प्रथम नैक मूल्यांकन में ही बी-ग्रेड प्राप्त कर हमारे महाविद्यालय ने एक स्तम्भ स्थापित कर लिया है, एक मानक तय कर लिया है। प्राप्त ग्रेड को बनाए रखने एवं उच्च ग्रेड प्राप्त करने का लक्ष्य साधे हमारा महाविद्यालय अपने चहुमुखी विकास पर निरंतर क्रियाशील है तथा द्वितीय नैक मूल्यांकन के लिए अभी से ही संस्था ने अपने लक्ष्य की ओर गति तेज कर दी है।

सत्र **2019-20** में हमारी संस्था व विद्यार्थियों ने हर क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है । अध्ययन-अध्यापन के साथ ही विभिन्न गतिविधियों जैसे शैक्षणिक भ्रमण, राष्ट्रीय संगोष्ठी, **NSS** कैंप, स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता कार्यक्रम, रैलियाँ जैसी गतिविधियां वर्ष पर्यंत संचालित होती रही है। हमारी वार्षिक पत्रिका (विविधा) इन्हीं गतिविधियों की प्रत्यक्षदर्शी बनी प्रत्येक स्मृति को संजोए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्था के प्रतिबिंब रूपी दर्पण बन प्रस्तुत रहेगी ।

डॉ. डी. एस. जगत
प्राचार्य
शास. पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय

भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री

Bhupesh Baghel
CHIEF MINISTER

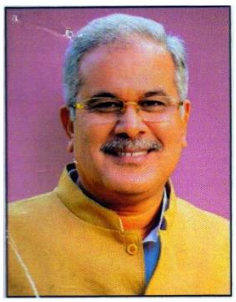

मंत्रालय, महानदी भवन
अटल नगर, रायपुर, 492002, छत्तीसगढ़
फोनः +91 (771) 2221000, 2221001
ई–मेल : cmcg@nic.in

Mantralaya, Mahanadi Bhawan,
Atal Nagar, Raipur, 492002, Chhattisgarh
Ph.: +91 (771) 2221000, 2221001
E-mail : cmcg@nic.in

Do.No. 234/HCM/ Date : 25/6/2020

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि शासकीय पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय, धरसींवा, रायपुर द्वारा वार्षिक पत्रिका ''विविधा'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

विद्यार्थियों की प्रतिभाओं एवं साहित्यिक रूचियों को अभिव्यक्त करने के लिए ऐसी पत्रिकाएं महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। पत्रिका में रचनाशील प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों की रचनाएं, गतिविधियां तथा उपलब्धियां प्राथमिकता से प्रकाशित की जानी चाहिए।

प्रकाशन अपने उद्देश्यों में सफल हो, इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(भूपेश बघेल)

श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा
विधायक
विधानसभा क्षेत्र क्र.-47, धरसींवा
जिला - रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. : 9424200122
E-mail : anitayogendrasharma0012@gmail.com

कार्यालय : दादागुरू कार्यालय, बिलासपुर रोड, सांकरा (निको), रायपुर (छ.ग.) 493221
निवास : रायपुर- म.क्र. 14, अवनि प्राईड दलदल सिवनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.)
स्थाई निवास : विष्णु निवास, ग्राम-टेकारी, पो.-गिरौद तहसील-धरसींवा, जिला-रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक :- 804 दिनांक 24/07/2020

शुभकामना संदेश

पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय धरसीवां (रायपुर) के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वार्षिक पत्रिका 2019–2020 "विविधा" का प्रकाशन किया जा रहा है, यह जानकर प्रसन्नता हुई। महाविद्यालय की यह प्रत्रिका के माध्यम से छात्र छात्राओं के रचनात्मक लेखन एवं बौद्धिक विकास में वृद्धि होगी। वार्षिक पत्रिका महाविद्यालय के वर्षभर की गतिविधियो का दर्पण सिध्द होगी।

इस पत्रिका के प्रकाशन हेतु मैं महाविद्यालय परिवार एवं छात्र छात्राओ को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ।

(अनिता शर्मा)

डॉ. केशरी लाल वर्मा
कुलपति

Dr. Keshari Lal Verma
Vice Chancellor

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) भारत
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (Chhattisgarh) - 492010-INDIA
Office : +91 771-2262857
Fax : +91 771-2263439
E-mail : vc_raipur@prsu.org.in
Website : www.prsu.ac.in
Mobile : 8527324400

रायपुर, दिनांक 15 मई, 2020

शुभकामना

यह जानकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई कि शासकीय पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय (शंकर नगर) धरसींवा, रायपुर द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **'विविधा'** सत्र 2019–'20 का प्रकाशन किया जा रहा है। किसी भी शैक्षणिक संस्था की वार्षिक पत्रिका उसकी वर्षभर की गतिविधियों का समग्र दर्पण होती है, जो न केवल संस्थागत परिवार बल्कि छात्र–जगत के लिए भी उपयोगी सिद्ध होती है।

आशा है महाविद्यालयीन पत्रिका **'विविधा'** महाविद्यालय की वार्षिक गतिविधियों एवं छात्र–छात्राओं के साहित्यिक, सांस्कृतिक सृजनात्मकता को विकसित एवं प्रकाशित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

शुभकामनाओं सहित।

(केशरी लाल वर्मा)

अनुक्रमणिका

क्र.	विषय / शीर्षक	संकलनकर्ता	कक्षा / विभाग	Page No.
	विशेष उपलब्धि			
01	राष्ट्रीय संगोष्ठी			01
02	महाविद्यालय का गौरव	–	–	02
03	प्रोत्साहन पुरस्कार – गोल्ड मेडल	–	–	03-04
	कविता			
04	ठन गयी है कुदरत की मनुष्य से	सुश्री. अदिती भगत	सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग	05
05	कुंड़लिया	डॉ. मीता अग्रवाल	अतिथि व्याख्याता, हिन्दी विभाग	06
06	यादें	भुनेश्वरी वर्मा	एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर), हिन्दी साहित्य	06
07	जीवन में समय	आरती देवागंन	एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर), हिन्दी साहित्य	06
08	तू खुद की खोज में निकल	तोरन वर्मा,	एम.ए (द्वितीय सेमेस्टर), राजनीति	07
09	ना खड़ा तू देख	तोरन वर्मा	एम.ए (द्वितीय सेमेस्टर), राजनीति	
10	मेहनत रंग लाई	तोरन वर्मा,	एम.ए (द्वितीय सेमेस्टर), राजनीति	
11	तुम चलो तो सही	मुसर्रत खान	एम.ए (द्वितीय सेमेस्टर), राजनीति	08
12	एक बचपन का जमाना था	भारती	बी.कॉम. तृतीय	08
13	मेरा प्यारा देश	रइसुन निशा	एम.एस.सी, (द्वितीय सेमेस्टर) गणित	08
14	मोहब्बत	रइसुन निशा	एम.एस.सी, (द्वितीय सेमेस्टर) गणित	09
15	मनुहार	रइसुन निशा	एम.एस.सी, (द्वितीय सेमेस्टर) गणित	
16	मत सीखो	नेहा मार्कण्डेय	बी. कॉम. द्वितीय	10
17	मूल मंत्र "क्षमा"	कु. बरखा विश्वकर्मा	बी. ए. द्वितीय	10
18	जीवन की कहानी	नेहा माकण्डेय	बी. कॉम. द्वितीय	10
19	बेटियां	दीपिका राजपूत,	बी. कॉम. द्वितीय	11
20	कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती	विवेक विनायक	बी. कॉम. प्रथम वर्ष	11
21	मैं नये भारत का चेहरा हूं	प्रीति सिन्हा	बी. कॉम. प्रथम वर्ष	11
	छत्तीसगढ़ी छटा			
22	सबले बढ़िया छत्तीसगढ़िया	रिकेश्वरी वर्मा	एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी साहित्य	12
23	होरी गीत	आरती देवागंन	एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी साहित्य	12
24	झ्ठ ला सब पतियाथे	मनीशा साहू	एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी साहित्य	13
25	नानापन के मोर गाँव	रिकेश्वरी वर्मा	एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी साहित्य	13
	ज्ञानधारा			
26	Golden Thoughts	Dr. Shabnoor Siddiqui	Department of History	14
27	जीवन का सार – अनमोल विचार	डॉ. शबनूर सिद्दीकी	प्राध्यापक – इतिहास	
28	MOTIVATIONAL & POINT (प्रेरणात्मक बिंदु)	प्रीती सिन्हा	बी.कॉम. प्रथम वर्ष	14
29	'मन पर नियंत्रण'	मुकेश बंजारे	बी.कॉम. द्वितीय	15
30	लघु कथा – सेठानी की समझदारी	प्रियंका द्विवेदी	एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) हिन्दी साहित्य	15
31	अच्छे विचार से बढता हैं आत्मविश्वास	कु. बरखा विश्वकर्मा	बी.ए. द्वितीय	15
	आलेख / Articles			
32	छत्तीसगढ का गांधी – पं. सुन्दर लाल शर्मा	डॉ. शबनूर सिद्दिकी	प्राध्यापक (इतिहास)	16
33	आप अनमोल हैं	डॉ. सुनीता दुबे	सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग	17
34	LACK OF CREATIVITY	Dr. Sanjay Ku.Singh	Asst. Prof. (Commerce),	18
35	महामारी आपदा और साहित्य	श्रीमती कल्पना पाण्डेय	सहायक प्राध्यापक – हिन्दी	19
36	मानव जीवन का सदुपयोग करे	कु. बरखा विश्वकर्मा	बी.ए. द्वितीय	20
	विभागीय अकादमिक उपलब्धियां			
37	प्राचार्य के कार्य	–	.–	21-22
38	इतिहास विभाग	डॉ. शबनूर सिद्दिकी	प्राध्यापक (इतिहास)	23
39	राजनीति विभाग	डॉ. श्रीमती संध्या सिंगारे	प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान)	24
40	वनस्पति शास्त्र विभाग	श्री. कौशल किशोर	सहायक प्राध्यापक(वनस्पति शास्त्र)	25
41	अंग्रेजी विभाग	डॉ. सुषमा मिश्रा	सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी साहित्य)	26
42	भौतिक शास्त्र विभाग	श्रीमती जी. नाग भार्गवी,	सहायक प्राध्यापक (भौतिक शास्त्र)	27
43	गणित विभाग	डॉ. निधि देवांगन	सहायक प्राध्यापक (गणित)	28
44	वाणिज्य विभाग	डॉ. श्रीमती सुनीता दुबे	सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य)	29
45	रसायन शास्त्र विभाग	श्री हेमंत कुमार देशमुख	सहायक प्राध्यापक (रसायन शास्त्र)	30
47	हिन्दी विभाग	डॉ. सी. एल. साहू	सहायक प्राध्यापक (हिन्दी साहित्य)	30
48	समाजशास्त्र विभाग	श्रीमती रश्मि कुजूर	सहायक प्राध्यापक (समाज शास्त्र)	31
49	NSS	श्री संजय कुमार सिंह	कार्यक्रम अधिकारी	32
50	NCC	डॉ. सुशमा मिश्रा	Associate NCC Officer	33
51	Youth Red Cross	डॉ. सुनीता दुबे	प्रभारी	34
52	Sports	श्री. अनिल कुमार महोबिया	क्रीड़ा अधिकारी	35

विशेष उपलब्धियाँ

विविधा 2018-19 का विमोचन एवं कन्या छात्रा वास का उद्घाटन

माहाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **2018-19** का विमोचन प्रदेश के मुखिया, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ माननीय श्री भूपेश बघेल जी के करकमलों से सम्पन हुआ । माननीय महोदय जी के इस सहज स्वीकृति से महाविद्यालय अभिभूत हुआ । साथ ही महाविद्यालय प्रांगण में नवनिर्मित **100** सीटर कन्या छात्रावास का लोकार्पण भी माननीय मुख्यमंत्री जी के करमलों से सम्पन्न हुआ ।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.एस.जगज, डॉ. शबनूर सिद्धिकी (वरिष्ठ प्राध्यापक), पत्रिका प्रभारी सुश्री अदिती भगत ,पत्रिका समिती सदसस्य डॉ. सुनिता दुबे, डॉ. रश्मि कुजूर एवं महाविद्यालय से समस्त प्राध्यापक गण व छात्रसंघ पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

National Seminar

महाविद्यालय में विज्ञान संकाय द्वारा **17-18** जनवरी **2020** को **"Advance Material for Sustainable Industrial and Social Application" (NSAMSISA-2020)** विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र संस्था के प्रमुख प्राचार्य डॉ डी.एस. जगत की अध्यक्षता एवं प्रो. के.एल. वर्मा, कुलपति, पंडित रविशंकर शुक्ला की मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ । साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. अंजली औधिया, विभागाध्यक्ष, भौतिक शास्त्र विभाग, शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय , रायपुर (छ.ग.) ने वर्तमान परिदृश्य में इस विषय पर संगोष्ठी की महत्ता को अपने उद्बोधन में उजागर किया । संगोष्ठी में **06** विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया एवं कुल **56** शोध-सार प्रस्तुत किए गए ।

विशेष उपलब्धियाँ

सामान्य- ज्ञान प्रश्नोत्तरी श्रृंखला

सत्र **2019-20** हेतु प्राचार्य की अभिप्रेरणा एवं मार्गदर्शन में कैरियर-मार्गदर्शन के अंतर्गत सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी श्रृंखला का आयोजन किया गया। सामान्य ज्ञान एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में रुचि को बढ़ाने एवं ज्ञान वर्धन के उद्देश्य यह रोचक पहल की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सितंबर **2019** से प्रारंभ इस मासिक प्रश्नोत्तरी श्रृंखला में कुल **05** चरण कराये गये तथा सभी चरण के कुल प्राप्तांक के आधार पर विजेताओं का चयन किया । इस आयोजन को सफल बनाने में पूरे महाविद्यालय परिवार का परिश्रम-युक्त योगदान रहा। प्राध्यापकों द्वारा प्रश्नों पर चयन कर वैकल्पिक प्रश्नोत्तरी के रूप में परिवर्तित कर प्रश्नपत्र के रूप में तैयार करना छात्र-छात्राओं का पंजीयन कर पूरे महाविद्यालय में सुनियोजित रूप से प्रश्नोत्तरी का पूर्व निर्धारित तिथि अनुसार वृहद रूप में आयोजन कराना, हल किए गए प्रश्नोत्तरी का मूल्यांकन करना एवं विजेताओं की सूची सूचना पटल पर प्रदर्शित करना । इस प्रयास से विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ता देखा गया तथा प्रत्येक प्रश्नोत्तरी हेतु छात्र संख्या में निरंतर वृद्धि हुई अंत में प्रथम **10** विजेताओं की सूची जारी की गई एवं वार्षिक उत्सव के दिन विजेताओं को मनोरमा ईयर बुक प्रश्नोत्तरी संग्रह मेडल एवं प्रमाण पत्र से पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय के गौरव

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
यू.जी.सी. नेट
दिसम्बर 2019 उत्तीर्ण ।
रुपेन्द्र गायकवाड

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
पी.एस.सी.
(प्रारंभिक 2019) उत्तीर्ण ।
ओमेश कुमार

एम.ए. राजनीति शास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर
पी.एस.सी.
(प्रारंभिक 2019) उत्तीर्ण ।
नीरज शिवारे

बी.एस.सी बायो अंतिम वर्ष
पी.एस.सी.
(प्रारंभिक 2019) उत्तीर्ण ।
किरण पटेल

विशेष उपलब्धियाँ

प्रोत्साहन पुरस्कार (गोल्ड मेडल)

महाविद्याालय में अध्ययनरत नियमित छात्र–छात्राओं को शैक्षणिक/अकादमिक/ सांस्कृतिक/खेलकूद आदि गतिविधियों की ओर रुझान को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष 2019–20 में भी प्रोत्साहन स्वरूप गोल्ड मेडल प्रदान किया जाना सुनिष्चित किया गया है। जिसके परिपालन में कुल **15 मेडल** निम्नानुसार क्षेत्र में प्रदान किया गया है।

क्र	पुरस्कार/ गोल्ड मेडल का नाम	चयन क्षेत्र	पुरस्कार प्रायोजक का नाम	विद्यार्थियों का नाम	कक्षा/ प्राप्तांक
01	**Best Student of The Year**	स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर का वह नियमित विद्यार्थी जिसने लगातार पाँच वर्ष तक (स्नातक स्तर से नियमित) महाविद्यालय में अध्ययनरत रहा हो ।	डॉ.डी.एस. जगत, प्राचार्य	आरती देवांगन	एम.ए. राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर
02	**स्व. श्री शिवाजी भाई पटेल स्मृति पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ छात्र - स्नातक विज्ञान संकाय)**	स्नातक अंतिम वर्ष विज्ञान संकाय का नियमित विद्यार्थी	माननीय श्री देवजी भाई पटेल, पूर्व विधायक धरसींवा,	उमेश	बी.एससी तृतीय गणित
03	**स्व. श्री तुलसी भाई पटेल स्मृति पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ छात्र - स्नातक कला/वाणिज्य संकाय)**	स्नातक अंतिम वर्ष कला/वाणिज्य संकाय का नियमित विद्यार्थी	माननीय श्री देवजी भाई पटेल, पूर्व विधायक धरसींवा,	पार्वती	बी.ए. तृतीय
04	**स्व. श्री जोहना राम एवं मोहिनी बाई स्मृति पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक - रा.से.यो.)**	महाविद्यालय में अध्ययनरत रा.से.यो. स्वयं सेवक	सुश्री अदिती भगत सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य)	योगेश साहू	बी.ए. द्वितीय
05	**स्व. श्री फिलिप कुजूर स्मृति पुरस्कार (समाजशास्त्र विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी)**	महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातक अंतिम वर्ष कला संकाय का नियमित विद्यार्थी	डॉ. रश्मि कुजूर सहायक प्राध्यापक (समाजषास्त्र)	शेखर सायटोडे	बी.ए. तृतीय
06	**स्व. डॉ. जी.पी.राय स्मृति पुरस्कार (सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी - विज्ञान संकाय जीवविज्ञान)**	महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातक अंतिम वर्ष विज्ञान संकाय (जीवविज्ञान) का नियमित विद्यार्थी	श्री कौशल किशोर सहायक प्राध्यापक (वनस्पति विज्ञान)	उर्वशी	बी.एससी. तृतीय बॉयो
07	**स्व. श्री ओंकार प्रसाद शर्मा (गुरूजी) स्मृति पुरस्कार (सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी - विज्ञान संकाय गणित)**	महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातक अंतिम वर्ष विज्ञान संकाय (गणित) का नियमित विद्यार्थी	श्री शालिकराम शर्मा जनपद पंचायत सदस्य, धरसींवा	उमेश	बी.एससी. तृतीय गणित
08	**स्व.हाजी मो. खलील सिद्दीकी (पिता) की स्मृति में पुरस्कार इतिहास विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी**	महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातक अंतिम वर्ष कला संकाय (इतिहास) का नियमित विद्यार्थी	डॉ. श्रीमती शबनूर सिद्दीकी प्राध्यापक (इतिहास)	ज्योति वर्मा	बी.ए. तृतीय
09	**स्व. हाजी मिर्जा फरजन्द बेग (सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी वाणिज्य संकाय)**	महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातक अंतिम वर्ष वाणिज्य संकाय का नियमित विद्यार्थी	श्री मिर्जा प्यार बेग सेवानिवृत्त शिक्षक	हेमिन साहू	बी.ए. द्वितीय
10	**सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी एम.ए. हिन्दी सहित्य**	महाविद्यालय में अध्ययनरत एम.ए. हिन्दी साहित्य के चतुर्थ सेमेस्टर के नियमित विद्यार्थी	डॉ. श्रीमती सुलेखा अग्रवाल सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)	आरती देवांगन	एम.ए. हिन्दी साहित्य
11	**स्व. श्री मंगल प्रसाद जी बंछोर स्मृति पुरस्कार (सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी एम.एससी. गणित)**	महाविद्यालय में अध्ययनरत एम.एससी. गणित के चतुर्थ सेमेस्टर के नियमित विद्यार्थी	श्री दिलेन्द्र बंछोरअध्यक्ष, जनभागीदारी समितिशा. पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय धरसींवा	दिव्यानी	एम.एससी गणित तृतीय
12	**स्व. डॉ. आर.पी. चौधरी स्मृति पुरस्कार (सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी एम.ए. राजनीति शास्त्र)**	महाविद्यालय में अध्ययनरत एम.ए. राजनीतिषास्त्र के चतुर्थ सेमेस्टर में सर्वाधिक अंक प्राप्त	डॉ. श्रीमती संध्या सिंगारे प्राध्यापक (राजनीति शास्त्र)	वरूण कुमार	एम.ए. राजनीति विज्ञान उत्तीर्ण सत्र **2018-19**
13	**स्व.श्री. राम महोबिया स्मृति पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी)**	महाविद्यालय में अध्ययनत नियमित विद्यार्थी जिसने खेल गतिविधि में उतकृष्ट प्रदर्षन किया हो।	श्री अनिल कुमार महोबिया क्रीड़ा अधिकारी एवं चयन समिति	रोहित यादव	बी.एससी. द्वितीय
14	**स्व. श्री हेमंत कुमार सिगारे की स्मृति पुरस्कार (रवि.वि.वि. की प्राविण्य सूची)**	रवि. वि.वि. की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त न होने की स्थिति में हिन्दी ,गणित राजनीति में सर्वाधिक अंक प्राप्त	डॉ. श्रीमती संध्या सिंगारे प्राध्यापक (राजनीति शास्त्र)	शीतल वर्मा (बालाराम)	एम.एससी. गणित उतीर्ण सत्र **2018-19**
15	**स्व.श्रीमती लक्ष्मी देवी चौधरी (माता) की स्मृति पुरस्कार (स्नातक अंतिम में सर्वाधिक अंक)**	बी.ए.,बी.कॉम,बी.एससी. (बॉयो/मैथ्स) अंतिम वर्ष के छात्र/छात्राओं में सर्वाधिक अंक (**2018-19** में उत्तीर्ण) प्राप्त विद्यार्थी को।	डॉ. श्रीमती संध्या सिंगारे प्राध्यापक (राजनीति शास्त्र)	रइसुननिशा	बी.एससी. गणित उत्तीर्ण सत्र **2018- 19**

Congratulations

We are Proud of you all

-: ठन गयी है कुदरत की मनुष्य से :-

जबरदस्त ठन गयी है कुदरत की मनुष्य से,
मनुष्य जिसने सारी हदें तोड़ी बड़ी बेहदगी से ।।
रोने का आडम्बर रचा रखा है इसने महामारी के नाम से,
तब कहा थे आंसू जब कुदरत लुटती रही तेरे स्वार्थ के परिणाम से,
पंच तत्व की महाशक्ति ने अब तुझे पंच तत्व में लीन करने की ठानी है,
अभी देखा न तूने अग्नि, वायु , नभ, जल,
एक पल में कैसे दिखा जाते अपनी रवानी है ।।
अरे ये समय है जब जी लगाना है
अपने कर्मो पर विचारने व सकल कर्मो की धारा बहाने में,
और तू नपुंसक बन... लगा है,
बेजुबानों पर अपनी नीचता की मनमानी दिखाने में ।।
अरे होश में आ अपने इस अमानुषता के उन्माद से,
तुझे भी तो इसी कुदरत ने जना है अपने हृदय के नाद से ।।
खुद को इंसान कहने के हक से अब तू बेदखल है,
देख तेरी करनी का अंजाम अब सिर्फ हलाहल है।।

हाँ अब चारों तरफ सिर्फ हलाहल है...सिर्फ हलाहल है !

कोरोना काल : *मानवीय कुकृत्य की अति एवं गर्भवती हथिनी की हत्या से व्यथित प्राकृतिक प्रकोप पर आधारित रचना.....*

सुश्री. अदिती भगत

सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग

-: कुंडलिया :-

वंदन

वंदन माटी लाल को, देश हित दिए जान।
प्रहरी बन रक्षा करें, आठों पहर समान।
आठों पहर समान, सभी भारत माँ प्यारे।
मात पिता अरु बंधु, भूख पानी सब वारे।
बहा रक्त की धार, लगाए माटी चंदन।
सैनिक वीर जवान, आपको शत शत वंदन।

थोड़ा

थोड़ा थोड़ा कर बचत, पाई पाई जोड़ ।
विपद काल आता यहीं, काम धाम का तोड़।
काम धाम का तोड़, ध्यान धन मान बचाए।
जर जमीन का भेद, समय पहचान कराए।
कहे मधुर ये सोच, चेतना से जो जोड़ा।
ज्ञान मान धन दान, सभी हो थोड़ा थोड़ा।

पूरा

पूरा होता काम है, मन में हो विष्वास ।
मिलता है परिणाम भी, दृढ़तर होती आस।
दृढ़तर होती आस, भरोसा दूना होता।
करते सब है नाज, मनुज सुख से है सोता।
बहे मधुर विष्वास, आस बिन जीवन घूरा।
सोच विजय अभियान, करो तुम मन से पूरा।

सपना

सपना ऐसा देखिए, जो पूरी हो आस।
सत्य प्रतिष्ठा ही मिले, बात समझ लो खास।
बात समझ लो खास, चेतनता देती आशा।
सपना भी सच देख, छाय नाही घोर निराशा।
कहे मधुर ये सोच, आग मे सोना तपना।
खुली आँख रख भाप, तभी हो पूरा सपना।

झिल्ली

झिल्ली के उपयोग से, मचे गंदगी खूब।
अटे नदी नाले पड़े, धरती जाती डूब ।
धरती जाती डूब, प्रदूषण खूब मचाती ।
गलती सड़ती देर, मिट्टी है क्षरण पाती।
करे प्रयोग विचार, जमा हो उड़ाये खिल्ली।
थैला कर उपयोग, सफाया कर दो झिल्ली ।।

स्वच्छता

भारत अपना स्वच्छ हो, करके यही विचार।
करे जागरण देश हित, नियम बनाए चार।
नियम बनाए चार, बनाए कचरा डिब्बा।
गीला सूखा फेंक, इकठ्ठे अम्मा अब्बा।
जागरूकता सार, कोउ ना भूलत टारत।
मिलजुल करते कार्य, स्वच्छ हो अपना भारत।।

डॉ. मीता अग्रवाल

अतिथिव्याख्याता -हिन्दी

-: जीवन में समय :-

नव जीवन का आशीष दे दूं,
या प्रलय का श्राप ।
जीवन पुण्य का रहस्य बता दूं,
या दुष्कर्म और पाप।।
झांको मुझमें अपना चेहरा
साफ साफ दिखलाऊंगा।
जो है तुम्हारे मन के अन्दर
सच-सच बतलाऊंगा।
कर्म योगी होवोगे अगर,
दिन कहुं या कहुं फिर रात ।।
धर्म अधर्म के राह है दो,
किस पर तुमको जाना है।
सत्य और प्रेम की कुटिया चाहि,
या सोने की लंका बनाना है।
कर्म ही तुम्हारी पहचान बन जाये,
बाकि, सब कुछ ढह जायेगा, अपने आप।
जीवन पुण्य का रहस्य बता दूं,
या दुष्कर्म और पाप।।
सोचते हो मेरी हस्ती,
काल के कपाल पर नाचता और गाता हूँ।
राजा को रंक और
रंक को राजा बनाता हूँ।
जिस दिन मुझे खो दोगे,
फिर न मुझे पाओगे।
'समय' हूँ मैं उपयोग करो,
नहीं तो पछताओगे।
बिन पग, बिन हस्त के,
मैं हूँ सबका बाप।
जीवन पुण्य का रहस्य बता दूं,
या दुष्कर्म और पाप।।

आरती देवागंन

एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी साहित्य

-: यादें :-

चिडियों का चहचहाना अच्छा लगता है।
उनका खुले बादलों में आजाद उड़ जाना अच्छा लगता है।
सूरज की पहली सुनहरी किरण अच्छी लगती है।
शाम होते ही सूरज का ढ़ल जाना अच्छा लगता है।
माछैसम का यू बदल जाना अच्छा लगता है।
बारिश की वो बूंदे अच्छी लगती है।
बारिश की बूंदों में खुद को भूल जाना अच्छा लगता है।
अपनी वजह से दूसरों का मुस्कुराना अच्छा लगता है।

भुनेश्वरी वर्मा

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी साहित्य

-: तू खुद की खोज में निकल :-

तू खुद की खोज में निकल
तू किस लिए हताश है,
तू चल, तेरे वजूद की
समय को भी तलाश है-२
जो तुझ से लिपटी बेड़ियाँ
समझ न इनको वस्त्र तू-२
ये बेड़ियां पिघला के
बना ले इनको शस्त्र तू-२
तू खुद की खोज में निकल
तू किस लिए हताश है,
तू चल, तेरे वजूद की
समय को भी तलाश है-२

चरित्र जब पवित्र है,
तो क्यों है ये दशा तेरी-२
ये पापियों को हक़ नहीं
की ले परीक्षा तेरी-२
तू खुद की खोज में निकल
तू किस लिए हताश है
तू चल, तेरे वजूद की
समय को भी तलाश है.....
जला के भस्म कर उसे
जो क्रूरता का जाल है-२
तू आरती की लौ नहीं
तू क्रोध की मशाल है-२

तू खुद की खोज में निकल
तू किस लिए हताश है,
तू चल, तेरे वजूद की
समय को भी तलाश है-२
चूनर उड़ा के ध्वज बना
गगन भी कपकपाएगा-२
अगर तेरी चूनर गिरी
तो एक भूकंप आएगा-२
तू खुद की खोज में निकल
तू किस लिए हताश है,
तू चल, तेरे वजूद की
समय को भी तलाश है-२

-: ना खड़ा तू देख :-

राह में मुश्किल होगी हजार,
तुम दो कदम बढाओ तो सही,
हो जाएगा हर सपना साकार,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।
मुश्किल है पर इतना भी नहीं,
कि तू कर ना सके,
दूर है मंजिल लेकिन इतनी भी नहीं,
कि तु पा ना सके,

तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।
एक दिन तुम्हारा भी नाम होगा,
तुम्हारा भी सत्कार होगा,
तुम कुछ लिखो तो सही,
तुम कुछ आगे पढ़ो तो सही,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।
सपनों के सागर में कब तक
गोते लगाते रहोगे,

तुम एक राह है चुनो तो सही,
तुम उठो तो सही, तुम कुछ करो तो सही,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।
कुछ ना मिला तो कुछ सीख जाओगे,
जिंदगी का अनुभव साथ ले जाओगे,
गिरते पड़ते संभल जाओगे,
फिर एक बार तुम जीत जाओगे।
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

-: मेहनत रंग लाई :-

नहीं बनाया किसी ने टाटा, बिरला, अंबानी,
खुद ही बने है सब अपने सपनों के सौदागर।
राह नहीं थी बनी बनाई, ना ही है कोई बड़ा ज्ञानी,
सब ने करी है कड़ी मेहनत, फिर है मेहनत रंग लाई।
एक पल में नहीं बनता सब कुछ,
पल पल मेहनत करके सब ने मंजिल है पाई।
कल क्या होगा ना ध्यान दिया, बस काम किया,
राह में मुश्किल उनके भी आई।

मुश्किल था मंजिल को पाना, बना दिया रास्ता,
चल दिए बिना किए किसी की परवाह।
सुना है उन्होंने भी ताना बाना,
लेकिन फितूर चढ़ा था कुछ पाने का।
तोड़ दिया सब का भ्रम, कर दिया सपनों को साकार,
ताना देने वालों ने ही हँसकर सत्कार किया।

तोरन वर्मा
एम.ए .राजनीति (द्वितीय सेमेस्टर)

-: तुम चलो तो सही :-

राह में मुश्किल होगी हजार,
तुम दो कदम बढाओ तो सही,
हो जाएगा हर सपना साकार,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।
मुश्किल है पर इतना भी नहीं,
कि तू कर ना सके,
दूर है मंजिल लेकिन इतनी भी नहीं,
कि तु पा ना सके,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।
एक दिन तुम्हारा भी नाम होगा,
तुम्हारा भी सत्कार होगा,
तुम कुछ लिखो तो सही,
तुम कुछ आगे पढ़ो तो सही,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।
सपनों के सागर में कब तक गोते लगाते रहोगे,
तुम एक राह है चुनो तो सही,
तुम उठो तो सही, तुम कुछ करो तो सही,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।
कुछ ना मिला तो कुछ सीख जाओगे,
जिंदगी का अनुभव साथ ले जाओगे,
गिरते पड़ते संभल जाओगे,
फिर एक बार तुम जीत जाओगे।
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

मुसर्रत खान
एम.ए. राजनीति (द्वितीय सेमेस्टर)

-: एक बचपन का जमाना था :-

एक बचपन का जमाना था, जिसमें खुशियों का ख़जाना था।
चाहत चंद को पाने की थी, पर मन तितली का दीवाना था।
खबर न थी कुछ सुबह की, न शाम का ठिकाना था।
थक कर आना स्कूल से, पर खेलने भी जाना था।
माँ की कहानी थी, परियों का फ़साना था।
बारिश में कागज़ की नाव थी, हर मौसम सुहाना था।
क्यों हो गए हम इतने बड़े,
इससे अच्छा तो वो बचपन का जमाना था।

भारती
बी.काम. तृतीय

-: मेरा प्यारा देश :-

कहते हैं मेरे इस प्यारे से देश में,
हिन्दु मुस्लिम सिख ईसाई ,आपस में सब भाई-भाई
फिर न जाने क्यो कोई अपने ऊपर कभी भगवा रंग
चढ़ा रहा है, तो कोई चिश्ती ....रंग तो रंग है ।
रंग तो अनेक है मेरे इस प्यारे देश में
फिर क्यों रंगो से है, धर्म की पहचान ....
क्यों मेरे देश में सब धर्म का नारा लगा रहे है।
धर्म तो धर्म है मारो ....
कोई इंसानियत का धर्म तो निभा कर के देखो
इंसानियत का रंग चढ़ा कर के देखो।

रइसुन निशा
एमएससी, गणित (द्वितीय सेमेस्टर)

-: मोहब्बत :-

मोहब्बत जन्नत की वो खुशबू है,
जिसमें दुनिया कितनी भी गंध डाले...
वो और ज्यादा महकता चला जायेगा।
मेरी चले तो मोहब्बत को नमाज का वो तर्जुमा बना दूँ,
जिसे जितना ही समय देकर पढ़ूँ ,
वो उतना ही गहरा होता चला जायेगा।
इसे मुकम्मल करने के लिए दो जिस्म का होना जरूरी नहीं
ये जिस्म का सौदा नहीं ... बल्कि वो इबादत है
जो दुनिया की हर नापाक ... चीज को पाकिजा कर दे।
यकीन, तर्स, पीड़ा, आंसू में मोहब्बत के वो पहलु है,
जो क्षण भंगुर नहीं, बल्कि अज़ल तक का साथी है।
जिस्मानी मोहब्बत करने वाले इश्क में जीने- मरने
की कसमें खाने वाले आसमान से सितारे चुराने
वाले जरा एक बार किसी का दुख चुरा
कर देखो... इश्क करना जान जाओगे।
आज दौलत को मोहब्बत समझने वाले क्या जाने मोहब्बत
में क्या गजब का मिजाज है, जो रोते हुए को हँसा दे।
मोहब्बत की इंतेहा उनसे पूछो जिन्होनें अपनी खुशी
के लिए माँ-बाप का दिल न दुखाया हो।
सच्ची मोहब्बत आजमायी बहुत जाती है ...
इसमें अमीरी गरीबी की कोई जगह नहीं है
पर दिल की वो अमीरी होती है,
जो हर गम खरीद सकता है।
इश्क का आगाज जब होता है तो इसमें माँ की
आँचल की वो ठंडी हवा का सुकून होता है...
जो धूप में भी छाया का अहसास कराता है।

“ मोहब्बत की इंतेहा इश्क है, और इश्क की इन्तेहा इज्जत ”

-: मनुहार :-

वो कहता था, कि माँ ... तू रो मत मैं लौट आऊँगा
तेरे चेहरे पर खुशी लाऊगां ।
मगर बेटा ... बस इतना बता देना कि अगर किसी
रोज परिन्दों ने मुझसे पूछ लिया कि तेरी
तनहाइयों की वजह क्या है, तो मैं क्या जवाब दूंगी...
इतना बता देना, की किसी ने मुझसे पुछा की पिछले
मौसम था एक अजनबी सा वो कहाँ चला गया,
तो मैं क्या जबाब दूंगी ...बस इतना बता देना की
तूं आयेगा कब, तू आयेगा कब
बता देना की मेरी आंख बरसी तो कौन मोती चुना करेगा
उदास लम्हों में दिल की धड़कन कौन सुना करेगा...
तू नहीं तो किससे गिला करूँगी
बेटा ... में रोई जा रही हूँ तू आयेगा कब
मेंरी आखों से मोती झड़ रहे है,
तू आयेगा कब, तू आयेगा कब
वो आखों से मोती झड़ रहे है,
तू आयेगा कब, तू आयेगा कब
वो पागल ... मुझ से हंस कर कहता ,
चल कर नहीं आया तो क्या हुआ माँ ....
सीने में तिरंगा लेकर आऊंगा

मैं जरूर आऊगा माँ,
तेरे चेहरे पर खुशी लाऊंगा मां

रइसुन निशा
एमएससी, गणित (द्वितीय सेमेस्टर)

–: मत सीखो :–

लगा सको तो बाग लगाओ,
आग लगाना मत सीखो
दिखा सको तो राह दिखाना,
राह भुलाना मत सीखो
गाना हो तो प्रेरणा गीत गाओ,
गाली देना मत सीखो
बढ़ा सको तो ज्ञान बढ़ाओ,
क्रोध बढ़ाना मत साखो
पिला सको तो जल पिलाओ,
जहर पिलाना मत सीखो
पा सको तो गुण को पाओ,
अवगुण पाना मत साखो
भुला सको तो गम को भुलाओ,
याद भुलाना मत सीखो
कर सको तो कार्य करो,
आलस्य करना मत साखो
कमा सको तो पुण्य कमाओ,
पाप कमाना मत सीखो।

नेहा मार्कण्डेय,
बी.कॉम. द्वितीय

–: मूल मंत्र " क्षमा " :–

रिश्तों में मानव अक्सर गलती करता हैं,
सुधार को मन करे भी तो अहंकार उड़ान भरता हैं।
क्षमा मांगने से कब घटा है कद ,
क्षमा करो तो बढता ही है कद ।
रिश्तों का ये कारवां, अहं पर ही थमा हैं,
परस्पर आगे बढ़ने का, मूल मंत्र ही क्षमा हैं।

कु. बरखा विश्वकर्मा
बी.ए. द्वितीय

–: जीवन की कहानी :–

जीवन एक स्नेह है, एहसास करो।
जीवन मे घमण्ड भी रहता है, उसे तुम नाश करो।
जीवन मे हर लक्ष्य पाने को, सदा ही प्रयास करो।
जीवन एक गीत है, संगीत है, प्यार का तुम ज्ञान करो।
छोटे हो या बड़े हो, तुम सबका सम्मान करो।
जीवन एक क्षण भंगुर है, न ही तुम गुमान करो।
निःशक्त का सहारा बनके, बेजान में तुम जान भरो।
अगर करोगे क्रोध घमण्ड, एक दिन बड़ा पछताओगे,
हंसेगा जमाना तुमसे तब, जिंदा लाश बन जाओगे।
जीवन में चलने को, बताती हूँ एक ऐसी राह,
ईमान, सत्य पर चलना सदा, यही है मेरी सलाह।।

नेहा मार्कण्डेय,
बी.कॉम. द्वितीय

-: कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती :-

कोशिश कर, हल निकलेगा ,
आज नहीं तो, कल निकलेगा ।
अर्जुन के तीर सा सध ,
मरूस्थल से भी जल निकलेगा ।
मेहनत कर, पौधों को पानी दे ,
बंजर जमीन से भी फल निकलेगा ।
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे,
फ़ौलाद का भी बल निकलेगा ।
जिंदा रख, दिल में उम्मीदों को,
गरल के समंदर से भी गंगाजल नकलेगा ।
कोशिशें जारी रख कुछ कर गुजरने की,
जो है आज थमा-थमा सा, चल निकलेगा ।

विवेक विनायक

बी. कॉम. प्रथम

-: बेटियाँ :-

मैं बेटी बनकर आई हूँ, माँ बाप के जीवन में,
बसेरा होगा मेरा, किसी और के आंगन में।
क्यों ये रीत भगवान ने बनाई होगी,
कहते हैं कल नही तो आज तू पराई होगी।
देकर जन्म पाल-पोसकर जिसने हमें बड़ा किया,
और वक्त आया तो उन्हीं हाथों से हमें विदा किया।
यह रिश्ता हमारा इतना अजीब होता है,
दो कुल का प्यार हमें नसीब होता है।
बेटियाँ इसे समझकर परिभाषा अपने जीवन की,
बना देती है अभिलाषा एक अटूट बंधन की।।

दीपिका राजपूत

बी.कॉम. द्वितीय

-: मैं नये भारत का चेहरा हूं :-

इतिहास का मैं आईना हूँ,
तहज़ीब का रंग सुनहरा हूँ।
गंगा - जमुना मेरी आँखें,
मैं नए भारत का चेहरा हूँ ....
मैं कल भी था , मैं आज भी हूँ,
मैं नव - युग का अंदाज़ भी हूँ।
सारी दुनिया का घर मुझ में,
इस मिट्टी का आदर मुझ में ।।
मैं देशभक्त भी गहरा हूं,
मैं नए भारत का चेहरा हूँ।
मैं बेटी की मुस्कान में हूँ,
मैं नारी के सम्मान में हूँ ।।
विज्ञान में और किसान में हूँ,
हर वीर में और जवान में हूँ ।
मैं सीमाओं का पहरा हूँ,
मैं नए भारत का चेहरा हूँ ।।
अब चाँद पे पाँव जमाना है,
सूरज से आँख मिलाना है ।
इक नया सवेरा लाना है,
संकल्प नया दोहराना है ।।
ना ठहरा था , ना ठहरा हूँ
मैं नए भारत का चेहरा हूँ
मैं नए भारत का चेहरा हूँ ।।

प्रीति सिन्हा

बी.कॉम प्रथम वर्ष

-: सबले बढिया छत्तीसगढ़िया :-

निर्मल बानी सफ्फा मन हे
हिद्वर्थ मया के कुटिया
एकरे सेती कईथन भईया
सबसे बढिया छत्तीसगढ़िया
अपन महेनत के खाथन कमाथन
नई जानन झूठ अऊ लबारी
सती सवित्री सीता जईसन
ईला के दाई अऊ महतारी

वेश-भूषा रीत-रिवाज
सुग्धर ईहां के बाली होली
खेती करईया किसान मितान
सुग्घर हावय धनहा होली
बड़ सीधवा हे भोला-भाला
दया -धरम के चिनहईयाँ
एकरे सेती कइथे भईया
सबले बढिया छत्तीसगढ़ियाँ।

विवेक विनायक
बी. कॉम. प्रथम

-: होरी गीत :-

मऊरे अमरइया, फूले बगइचा,
कोयली गावे गान रे ।
फागुन के महीना ...होरी है ।
ये फागुन के महिना रे,
उडत है रंग गुलाल रे,
फागुन के महिना...
कोनों दिखत हाबय किशन कन्हैया,
कोनो दिखत राधारानी ।
मया (फागुन) के रंग मा सबों रगें हे,
नइहे काकरों चिन्हारी ।
सबो के, सबो के, सबो के,हाबय एके हाल रे,
फागुन के महिना ...
झाझ मजिरा अऊ मांदर ह बाजय,
मिल जुल के सब नाचय अऊ गावय ।।

अमरइया के कोयली है, फगुवा सुनावय
मोर पपीहा के सुन्दर बोली,
सब के मन में मया जगावय।।
मया के, मया के, मया के, बगरत हे गुलाल रे,
फागून के महिना ...
ये फागून के महिना रे, उडत हे रंग- गुलाल रे,
फागून के महिना ...
होरी है ... सररररर... होरी है, होरी है।।

संकलन - सभार मीडिया , रिकेश्वरी वर्मा
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी साहित्य

-: झुठ ला सब पतियाथे :-

सच ला आज कोनो नई पुछय।
झुठ ला सब पतियाथे।।
धर-धर चोर के पुजा होथे,
साऊ ला हथिया थे।।
भुख मरत इमान गली मा
मंगत भिंड खड़े हे।
बीच शहर बैमान सेठ के,
भारी महल खड़े हे।
जनता के पैसा में भइया,
नेता मजा उड़ाथे।
पंखा तरी अपसर बैठे के,
दिन भर, जीव जुडाथे।
दुःख सुख कौन पुछय प्रजा के,
बुढ़वा ला धकिया थे।
सच ला आज कोंनो नई पुछय,
झुठ ला सब पतियाथे।
हिप्पी बनगें सब दूरा मन,
बेग धरिन सब दुरी।
लाज सरम फेसन म मरगे,
हाथ म नईये चुड़ी।
कनिहा तक सुन्दर चुन्दी म,
बेम हमर करवाथे।
सच ला आज कोनो नई पुछय,
झुठ ला सब पतिया थे।।

मनीशा साहू
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर , हिन्दी साहित्य

-: नानपन के मोर गाँव :-

ददा के मया दुलार, मोर दाई के अचरा के छाँव ।
याद आथे संगी मोला, नानापन के मोर गाँव ।।
पेड़ तरी खेलन भटकउला ।
गउ दइहान के गिल्ली अऊ डंडा ।।
आषाढ़ के पानी, उऊ कागज के मोर नाँव ।
याद आथे संगी मोला, नानापन के मोर गाँव ।।
लकडी के बने रेंहचुला -ढेलवा ।
बइलां चरई अऊ, डंडा कोलवा ।।
होत बिटनिहा कुकरा बासय, अऊ कौंआ करें कांव-कांव ।
याद आथे संगी मोला, नानापन के मोर गाँव ।।
स्कूल ले आके, तरिया तउरई ।
कागज के बने पंतन उडई ।।
ओ अेड़गा रूख, अऊ मोंर छोटे-छोटे पांव ।
याद आधे संगी मोला, नानपन के मोर गांव ।।
छदा के मया दुलार, मोर दाई के अचरा के छांव ।
याद आथे संगी मोला, नानापन के मोर गाँव ।।

संकलन - सभार मीडिया , रिकेश्वरी वर्मा
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी साहित्य

ज्ञानवर्धक बातें

–: Golden Thoughts :–

- "Black color is sentimentally bad, but every Black board makes the students life bright."
- "Education is the most powerful weapon which you can use to change the world."
- "You can't have a better tomorrow if you are still thinking about yesterday."
- "Mistakes are proof that you are trying."
- "If you fail, never give-up, become fail means First attempt in learning."
- "Success is when your 'signature' changes to "Autograph"
- "If you tell the truth you don't have to remember anything."
- "Appreciate good people they are hard to find."
- "If you want to shine like a sun; first burn, like a sun.
- "Sitting alone is better than walking with the wrong people.

–: जीवन का सार – अनमोल विचार :–

असफलता बार-बार मिलने पर निराश न हों, क्योंकि कभी कभी गुच्छे की आखरी चाबी ताला खोल देती है ।
अगर आप इस इंसान की तलाश कर रहे है , जो आपकी जिदंगी बदलेगा तो आईना देख लें।
हम बाहर की चुनौतियों से नहीं अंदर की कमजोरियों से हारते है, सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग ।
ईश्वर वो नहीं देता जो अपको अच्छा लगता है, ईश्वर वो देता है जो आपके लिए अच्छा होता है।
जब हौसला बना लिया उड़ान का, तो कद नापना बेकार है आसमान का ।
अतीत के गुलाम नहीं, भविष्य के निर्माता बनिए ।
सपने वो नहीं होते जो आप सोने के बाद देखते है, बल्कि सपने वो होते है जो आपको सोने नहीं देते ।
जिस समय हम किसी का अपमान कर रहे होते हैं, दरअसल हम उस अपना सम्मान खो रहे होते है ।

जिस जिस पर जग हँसा है, उसी ने इतिहास रचा है।

डॉ. शबनूर सिद्दीकी
प्राध्यापक – इतिहास

–: MOTIVATIONAL & POINT :–

रवैया देख कर बेटों का, बूढ़े बाप को ये खयाल आया।
जब बारिश ठहर जाती है,तो छतरी **'बोझ'** लगने लगती है।।
सब तारीफ़ कर रहे थे, अपने-अपने यार की।
हमने **'नींद'** का बहाना बना कर महफ़िल छोड़ दी।।
पल भर की बातें,फिर महीनों की दूरी।
आदत तुम्हारी भी थोड़ी **'तनख़्वाह'** सी है।।

दुनिया वो किताब है,जो कभी पढ़ी नहीं जा सकती।
लेकिन जमाना वो **'उस्ताद'** हैं जो सब कुछ सिखा देता है।।
ये सोच कर कटवा दिया, कम्बख़त ने वो पेड़।
कि आंगन मे मेरे होकर,पडोसी को **'छांव'** देता है।।
तुम्हें चाहने वाला, जब तुम्हें वक्त देना बंद कर दे।
तो समझ जाना कि वो **'किसी और'** का हो चुका है।।

प्रीती सिन्हा
बी.कॉम प्रथम वर्ष

-: लधु कथा : सेठानी की समझदारी :-

किसी गाँव में एक सेठ रहता था उसकी पत्नी सेठानी बहुत समझदार थी। एक दिन सेठानी काम करके जब सोने जा रही थी, तभी देखा की उसके पलंग के नीचे दो चोर छुपकर बैठे है, वह डर गयी। और पलंग के नीचे से चोरो को कैसे पकडाये तथा घर में चोरी न हो उसके उपाय सोचती है वह अपने पति सेठ को उठाकर कहती है सुनो-सुनो हमारे तीन पुत्र होंगे लेकिन सेठ नींद में रहता है और सेठानी को डाँट कर सोने के लिये कहता है। सेठानी फिर लेट जाती है कुछ देर बात फिर उठकर सेठ को उठाते हुये कहती है कि हम अपने पुत्रों का नाम कल्लु मल्लु चोर रखेंगे लेकिन सेठ उसे जोर से चिल्ला कर सोने के लिये कहता है। फिर कुछ देर बाद सेठानी ने कहा जब हम घूमने के लिये जायेगें तो में उन्हें पता है कैसे बुलाऊँगी कल्लु मल्लु चोर कहकर वह जोर जोर से चिल्लाने लगती है उनके पड़ोसी का नाम भी कल्लु मल्लु था वे सेठानी की चिल्लाने की आवाज सुनकर उनके घर पहुँच जाते है। और सेठानी से पुछते है कि चोर कहाँ है और सेठानी बताती है कि चोर उनके पलंग के नीचे छुपकर बैठा है उनके पड़ोसी कल्लु मल्लु उस चोर को पकड़कर मारते है और जेल भेज देते है तथा सेठ, सेठानी की समझदारी से खुश होता है तथा उसे धन्यवाद करता है ओर कहता है कि तुम्हारी समझदारी से आज हमारे घर में चोरी होने से बच गयी।

प्रियंका द्विवेदी

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी साहित्य

-: अच्छो विचार से बढता हैं आत्मविश्वास :-

मनुष्य का मूल स्वरूप उसके विचार है, क्योंकि मेरी शक्ल कैसा भी हो, रंग गेरा हो या काला हो। मुझमें **"आत्मविश्वास"** तभी आता हैं, जब मैं भाव से सुखी हूँ। जैस मेरे विचार और भाव होते हैं, वैसा मेरा आचरण होता है। वैसे हमेशा सुखी होने के लिए हमेशा खुश रहना चाहिए और सुख में भगवान का सुमिरन करते रहना चाहिए और हमें सुखी जीवन देने के लिये धन्यवाद भी देना चाहिये।

संत कबीरदास जी ने कहा है

"दुःख में सुमिरन सब करें, सुख में करे न कोय।
जे सुख में सुमिरन करें, तो दुःख काहे होय।।"

" जिन्दगी ऐसे जिओ जो खुद को पसन्द आये,
दुनिया वालो की पसन्द तो हर हमेशा बदलती रहती है । "

कु. बरखा विश्वकर्मा

बी.ए. प्रथम

-: मन पर नियंत्रण :-

यदि आप अपने मन मे नियंत्रण पाना चाहते है तो आपको पहले यह समझना होगा मन क्या है? दरअसल मन हमारे विचारों की श्रृंखला है। जो हमारे अन्दर बिना रुके लगातार चलते रहते है। ये विचार ही है जो अच्छे बुरे फैसले के लिए जिम्मेदार होते है और देखते ही देखते मन हमारे पूरे व्यक्तित्व पर अधिकार कर लेते है हम इससे अनजान रहते है की हमे मन द्वारा नियंत्रित नहीं होना है बल्कि स्वयं के मन पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। आप ये भी जानते है की जब किसी भी चीज का दमन किया जाता है तो वो कुछ समय के लिए जरूर थम जाती है लेकिन लेकिन कुछ वक्त बाद तेजी से वापिस भी आ जाती है। बिल्कुल ऐसा ही मन के मामले मे भी होता है। इस लिए अपने मन मे नियंत्रण पाने के लिये अपने ज्ञानेन्द्रिय जैसे (आँख कान) इत्यादि पर नियंत्रण करना चाहिए केवल वही सुने वा देखे जो ज्ञानपूर्ण वा हमारे लिए उपयोगी हो क्योंकि जो हम सुनते देखते है वह हमारे विचारों मे सम्मिलित होती है। यदि हम बुरा सुने या देखे नहीं तो बुरे विचार आने बंद हो जाएंगी द्य जो हम ग्रहण करते है वही हमारे से बाहर नकलती है बात के रूप मे व्यवहार के रूप में।

मुकेश बंजारे

बी.कॉम. द्वितीय

-: छत्तीसगढ का गाँधी - पं. सुन्दर लाल शर्मा :-

प्रतियोगी परीक्षाओं का दौर है, और कोई भी परीक्षा का सामान्य ज्ञान बिना इतिहास विषय के पूर्ण नहीं होता। परीक्षा की तैयारी में छात्र सतही ज्ञान प्राप्त कर यह सोचकर इति श्री कर लेते है, कि केवल परीक्षा पास ही तो करनी है टिक् ही तो लगाना है, पूरे नही ंतो कुछ तो सही उत्तर हो ही जायेगें। किन्तु अगर प्रत्येक उत्तर की आस पास की जानकारी हासिल कर तैयारी की जाय तो शायद अधिकतम अंक प्राप्त करने पर आपको काई रोक नहीं सकता ।

उदाहरणार्थ प्रायः परीक्षा में प्रश्न पूछा जाता है कि छत्तीसगढ का गाँधी किसे कहते है उत्तर है पं.सुन्दरलाल शर्मा। अगर विकल्प में सही उत्तर के अतिरिक्त अन्य तीन नाम है तो छात्र जिसने तैयारी नहीं की है इस साधारण प्रश्न को भी नहीं हल कर पाता और किसी अन्य व्यक्ति को छत्तीसगढ का गाँधी बताता है।

आइये जानते है छत्तीसगढ के गांधी के बारे में

अंग्रेजी के अत्याचार की बढती निरंतरता से कोई क्षेत्र अछूता नहीं था इनमें से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र था हमारा छत्तीसगढ़। वैचारिक क्रान्ति सक्रियता में तो यहाँ थी ही समय के अंतराल ने इसे आन्दोलन और क्रांन्ति में परिवर्तित कर दिया। अंग्रेजी की बलात् कोशिशे ओर अवैध मनमाने नियमों ने हर वर्ग, विषेषकर किसानों और मजदूरों का जीवन संकटपूर्ण कर दिया। इसी कड़ी में पं. सुन्दरलाल शर्मा ने अपने प्रयासों से महात्मा गांधी को छत्तीसगढ़ की आन्दोलनकारी प्रगति और अंग्रेजों की नीति अवगत कराने **20** दिसम्बर **1920** को गाँधी जी को छत्तीसगढ़ यात्रा करवाई यहाँ के लोगों ओर उनके उत्साह से गाँधी जी अत्यधिक प्रभावित हुए । पूरे भारत में महात्मा गांधी ने जिस अछूतोद्वार आन्दोलन द्वारा हरिजनों के अधिकारों हेतु मुहिम चलाई थी, वे आश्चर्य चकित हो गए कि यही आन्दोलन छत्तीसगढ़ में पं. सुन्दरलाल शर्मा ने पहले ही चला रखा है, फलतः उन्होंने ही ''छत्तीसगढ का गांधी '' नाम पंडित सुन्दरलाल शर्मा को दिया। अगर इस दो वाक्यों का ज्ञान छात्र अपने मस्तिष्क में रखे तो वे कभी नहीं भूल सकते कि सही उत्तर क्या है। सारांशतः छात्रों को चाहिए कि वे हर जानकारी आसपास की अन्य छोटी बड़ी घटनाओं से जोड़कर पढ़े। ज्ञान कभी बेकार नहीं जाता। असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

डॉ. शबनूर सिद्दीकी
प्राध्यापक - इतिहास

-: आप अनमोल हैं :-

जीवन में ऐसे बहुत से क्षण आते हैं जब हम निराश महसूस करते हैं और हमें लगता है कि अब कोई रास्ता नहीं है और हम नकारात्मकता से भरकर गलत कदम उठा लेते हैं। लेकिन हमें यह मालूम नहीं होता कि यह हमारा उस एक क्षण का गलत निर्णय होता है जो हमने नकारात्मकता से भरे हुए मन से लिया है । आप एक बार शांत मन से सोचिए कि दुनिया में ऐसी कोई समस्या नहीं बनी कि जिसका कोई हल न हो, बस जरूरत है सकारात्मक विचार लाकर सोचने की । आज इस लेख के माध्यम से मुझे बात करनी हैं आपके स्वयं के लिए, आप स्वयं अपने लिए अनमोल है। भगवान ने किसी दूसरे के हाथ में आपका रिमोट कंट्रोल देकर नहीं भेजा है, वह तो रोबोट होता है जो रिमोट कंट्रोल पर काम करता है । अब आप समझइये कि भगवान ने जब हमको स्वयं सक्षम बनाया है तो हम अपनी खुशी और निराशा के लिए दूसरों पर निर्भर क्यों हो जाते हैं, क्यों किसी दूसरे के दबाव या दुर्व्यवहार से हम अपना स्वयं का कभी न पूरा होने वाला नुकसान कर लेते हैं । एक और बात जो हमें समझनी है कि कोई भी परीक्षा परिणाम हमारे जीवन का अंतिम परीक्षा परिणाम नहीं होता । एक परिणाम आपके जीवन का मूल्यांकन नहीं कर सकता । आप स्वयं के लिए बेशकीमती हैं। जब आप खुद से प्यार करने लगते हैं तब कभी आप अपने को नुकसान पहुंचाने का नहीं सोच सकते।

जीवन में संघर्ष या परेशानियां सभी के साथ होती है जिन्दगी है, तो समस्याएं हैं। यदि आप अपने चारों ओर देखेगें तो कोई ऐसा नहीं मिलेगा जिसको सफलता आसानी से मिल गई हो, सभी को अपने हिस्से का सघंर्ष करना पडता है । मेहनत से मिली सफलता स्थायी होती है और हमें उस पर गर्व होता है । नकारात्मक विचार जो हमारे मन में आते हैं वो किसी बर्तन में रखे गये गंदे पानी की तरह होते हैं ,जिस तरह किसी बर्तन में यदि गंदा पानी रखा है यदि उसमें आप और साफ पानी डाले तो वह भी गंदा हो जायेगा ठीक उसी प्रकार यदि हमारे मन में नकारात्मक विचार हैं तो हम कितनी भी कोशिश कर लें नकारात्मकता के साथ सकारात्मक लाइफ नहीं जी सकते। पहले हमें अपने मन से नेगेटिविटी या नकारात्कता को निकालना होगा तभी हम एक सकारात्मक जीवन की ओर आगे बढ़ सकते हैं ।

एक और बात जो हमे समझनी है कि जीवन में परिस्थितियां एक समान नहीं होती हैं यदि जीवन में परेशानियां या समस्याएं आती है तो वह हमेशा बनी नहीं रहती समय आने और हमारे प्रयास से दूर हो जाती हैं लेकिन जैसे कि हमारे नेचर में होता है सामान्य परिस्थिति को नहीं सोचते लेकिन विपरीत परिस्थिति आने पर हम विचलित हो जाते हैं, लेकिन हमें यह समझना है कि परिस्थितियां परिवर्तनशील हैं जो आज है वह कल नहीं रहेगा किसी ने कभी सोचा न था कि कोरोना जैसी कोई महामारी आऐगी और हमारे रहन-सहन के ढंग को ही बदल कर रख देगी । पर हम सभी ने वतर्मान परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना सीख लिया क्योकि प्रकृति ने हमें सक्षम बनाया है परिस्थिति के अनुरूप अपने को बदलने में बस आवश्यकता है अपनी ताकत को पहचानने की और सकारात्मक सोच के साथ बिना डरे, बिना घबराए परिस्थिति का सामना करने की । जिन्दगी कितने भी इम्तिहान ले, बस हौसला चाहिए हर हाल में जीने का और अपने आप को श्रेष्ठ साबित करने का ।

डॉ. सुनीता दुबे
सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग

–: LACK OF CREATIVITY:–

Technology: a boon and a bane for our generation. It has made countless tasks much easier for us and has slowly become an important part of our lives. But it has taken us a lot from us. And one such thing is the creativity of our Youth. Now this is something we all have heard number times when our elders have thrown shade on our lifestyle. And it's true as well. Our dependency on technology is unhealthy. Whether its simple calculations or writing a piece for your academic work or just plain compulsion to do any activity or even just putting captions on our social networking site accounts, your first instinct are to use our various devices and not come up with something of our own.

We are always glued to our smart devices from the moment we wake up to the moment we fall asleep. And these habits are causing not only health issues but psychological issues as well. There were times when people used to spend with their time in creative activities, with their families and friends but today whenever we are idle or bored we just pick our various smart devices and start playing games or enter in the virtual world of social media.

We spend a good chunk of our time this way. No one's against the use social networking site or internet or these smart devices because they were made for the comfort and enjoyment of human race. But it's time to looks beyond it, open our eyes in reality and see how we have confined our self in the cycle of life. Now it is our opportunity to go out, explore keep our curiosity alive, creativity burning and realize that there is more to the world than just a 6" HD display.

Dr. Sanjay Kumar Singh
Assistant Professor
Department of commerce

-: महामारी आपदा और साहित्य :-

साहित्य का मूल मंत्र होता है सबका हित जो दिखता है वो लिखते हैं इसलिए साहित्य समाज का प्रतिबिम्ब होता है। साहित्य का प्रारम्भ ही मनुष्य की अन्तःश्चेतना को जागृत कर उसे सृष्टि से जोड़ने का कार्य करता है। चाहे वो सामवेद को संगीत हो गीता के श्लोक हो या रामायण की कथा कहने का तात्पर्य है कि बदलती परिस्थितियों में साहित्य का स्वरूप भी परिवर्तित होता है चूंकि साहित्य समाज से परोक्ष रूप से जुड़ा होता है तो स्वाभाविक रूप से समय परिवर्तन के साथ मनुष्य की जीवन शैली में जो बदलाव आता है वो साहित्य को भी प्रभावित करता है।

साहित्य महज आनंद प्रदान करने का साधन नहीं है वो चितंन मनन का विषय है। साहित्य मानव के अवचेतन मन को प्रकट करने का साहस रखता है, फिर चाहे वह कहानी हो एकांकी उपन्यास फिल्म या गीत ये सारे माध्यम मनुष्य की विचारधारा भावो और संवेदनाओं के उद्गार है। साहित्य जीवन की वह कडी है। जो व्यक्ति को व्यक्ति के मन से बांध कर भावना को संप्रेषण करती है। इसी साहित्य ने प्रत्येक काल में आने वाली महामारी का उल्लेख किया है, सभी में उसने मानव मन की अपराजित इच्छा शक्ति, अदम्य साहस और आशा की ज्योति जलाए रखने की प्रवृति को प्रदर्शित किया है।

वर्तमान में साारी दुनिया कोविड-१९ (कोरोना) जैसी महामारी से जूझ रही है। इन सबका प्रभाव मानव के मन बुद्धि और व्यक्तित्व पर पड़ा है। इन सबके बीच लोगो ने सकारात्मकता को बनाए रखने के लिए कई गीत, कविता रची है। इस साहित्य ने यह ज्ञात कराया है कि मनुष्य ने जीवन का वास्तविक उदेश्य जान लिया है। उसने नियति के महत्व और अपने द्वारा किए अत्याचार पर प्रकृति का दण्ड अनुभव कर लिया है। जिन लोगो की बदौलत हमें सुरक्षित जीवन मिलता है उनके सम्मान में कई गीतों और काव्य की रचना की गई है।

इस भीषण महामारी के समय जब लोगों में नकारात्मकता हावी हो रही है। ऐसे समय जय शंकर प्रसाद द्वारा रचित कामायनी के आशा सर्ग की पंक्तियाँ ध्यान आती है। जब प्रलय के बाद मनु चिंतामय होते है और प्रकृति ही उने नवीन सबेरे का ज्ञान कराती है।

" उषा सुनहरे तीर बरसती
जय लक्ष्मी सी उदित हुई
उधर पराजित काल रात्रि भी
जल में अंतर्निहित हुई "

श्रीमती कल्पना पाण्डेय
सहायक प्राध्यापक - हिन्दी

-: मानव जीवन का सदुपयोग करे :-

आज का इंसान धर्म के नाम पर बहता जा रहा हैं, और अपनी पहचान खो रहा हैं। सब जाति धर्मो को भुलाकर इंसान को पहचानों। हंस की तरह मोती को चुनो, राम की तरह दयावान बनो, मानवता को अपनाओं। हम अज्ञानता के कारण इंसानियत का दामन छोड़ रहे हैं। तेरे और मेरे का भेद भुलाना होगा। ईश्वर से नाता जोड़ों। धर्म पर खतरा तब होता हैं। जब मानव, संतो की बातो को नहीं मानता। मानव का जीवन बडी मुश्किल से मिला है, इसका सुदपयोग करें। कुम्हार, बर्तन बनाते समय माटी में कोई फर्क नहीं रखता। जीवन में बुराइयों को भुलाकर अच्छाइयों को अपनाएँ। प्राणी मात्र की सहायता करना ही सबसे बड़ा पुण्य है। हर भक्त को अपने मालिक का गुणगान करना चाहिए। ज्ञान से इंसान को सोचने-समझने की शक्ति मिली है। चाहे हम किसी भी धर्म में जन्में हो, लेकिन इंसानियत को कभी भी भुलाना नहीं चाहिए। जिस मानव के जीवन में प्रेम व करूणा होती है। वह कभी किसी को नहीं ठुकराता है, सभी को अपनाता है।

जीवन में नफरत की दीवार को गिराकर प्रेम के फुल बाँधने चाहिए। आज के समय एक पल का भी भरोसा नहीं हैं, इसलिए समय की कीमत को पहचाने और ईश्वर को स्मरण करें। बिना किसी भेदभाव के सबको साथ लेकर चलेंगे, तभी हमारा जीवन सार्थक होगा ।

कु. बरखा विश्वकर्मा
बी.ए. प्रथम

प्राचार्य के कार्य

शैक्षणिक सत्र **2019-20** में महाविद्यालय के प्राचार्य के मागदर्शन में संपूर्ण सत्र सुचारु रुप से संचालित रहा । महाविद्यालय में सत्रोत्तर विभिन्न अकादमिक गतिविधियाँ सफलता पूर्वक संचालित हुई जो निम्नांकित हैं –

21-Jun-2019 **योग दिवस**	5वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर एनसीसी कैडेट, एनएसएस स्वयंसेवक, छात्र-छात्राएं एवं महाविद्यालय स्टाफ द्वारा योगाभ्यास किया गया. प्राचार्य डॉ. डी एस जगत ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए योग की उपयोगिता एवं स्वास्थ्य जीवन के लिए इसके महत्व पर प्रकाश डाला. क्रीड़ा अधिकारी अनिल महोबिया ने योगाभ्यास कराया.	
29-Jul-2019 **जल शक्ति अभियान**	भारत शासन की योजना जल शक्ति अभियान के तहत महाविद्यालय में **College Campus Day** का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय के प्राचार्य एवं लोक निर्माण विभाग से उपस्थित एन.के. तिवारी (अभियं) एवं श्री सुरेश मिश्रा द्वारा जल संवर्धन, जल बचाओ , व वाटर हार्वेस्टिंग की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा जागरूकता रैली भी निकाली गई।	
29-Aug-2019 **Fit India Movement**	प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा तंदुरुस्ती को दैनिक जीवन का प्रमुख हिस्सा बनाने के उद्देश्य से **29** अगस्त **2019** को **Fit India Movement** का सुभारम्भ किया गया । जिसके तहत शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय में जागरूकता व्याख्यान एवं रैली का आयोजन किया गया।	
11-Sep-2019 **स्वामी विवेकानन्द शिकागो भाषण के वर्षगांठपर कर्यक्रम**	स्वामी विवेकानंद के शिकागो सम्मेलन में उद्बोधन भाषण दिनांक **11** सितंबर **1893** के वर्षगांठ के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के डॉ. शबनूर सिद्दीकी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन का सार साझा किया, प्राचार्य ने मूल्यवान उद्बोधन दिया साथ ही प्राध्यापकों व विद्यार्थियों ने भी स्वामीजी के जीवन की घटनाओं, मूल्यों पर चर्चा की।	
(1-30) Sep 2019 **पोषण माह**	➢ **11-Sep :** पोषण सुरक्षा विषय पर निबंध प्रतियोगिता एवं संतुलित आहार विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ➢ **19-Sep :** पोषण सुरक्षा अहम आवश्यकता विषय पर आमंत्रित व्याख्यान में डॉ. सीमा शुक्ला, चिकित्सक आयुर्वेद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरसीवा ने आवश्यक जानकारी प्रदान की। ➢ **20-Sep :** आकांक्षा दिव्यांग स्कूल में पोषण सप्ताह के दौरान स्टेशनरी किट एवं पोषण किट का वितरण किया गया साथ ही महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ के स्वेच्छा दान राशि से विशेष छात्र छात्राओं को यूनिफार्म का वितरण भी किया गया ।	

प्राचार्य के कार्य

21-Sep-2019
विधिक साक्षरता कार्यक्रम

जिला सत्र न्यायालय, रायपुर (छ.ग) द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम, जिसमें मुख्य रुप से अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्री. राकेश वर्मा एवं श्री. बी.एल.साहू. द्वारा सामान्य जन व विद्यार्थियों संबंधी विभिन्न कानून व अधिकारों की जानकारी प्रदान की गई।

15-Nov-2019
बाल दिवस

आकांक्षा (दिव्यांग) स्कूल में बाल दिवस के अवसर पर विशेष छात्र छात्राओं को बिस्किट -चाकलेट का वितरण किया गया एवं उन नन्हें छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

10-Dec-2019
मानवाधिकार दिवस

10 दिसंबर 2019 को मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी आयोजित की गई । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी. एस. जगत, राजनीति विभाग के प्राध्यापक ने मानवाधिकार संबंधी जानकारी प्रदान की साथ ही उपस्थित प्राध्यापको ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

14-Jan-2020
निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम

महाविद्यालय रेडक्रॉस यूनिट, आयुर्वेद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र धरसींवां एवं जिला नशा मुक्ति केन्द्र रायपुर छ.ग. के संयुक्त तत्वाधान में तंबाकु नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया ।

26-Nov 2019 to 14-Apr-2020
संविधान दिवस – अम्बेडकर जयन्ती

30-Jan-2020 :मौलिक कर्तव्यों पर चर्चा

शासन के निर्देशानुसार दिनांक 26 नवंबर 2019 से 14 अप्रैल 2020 तक **'संविधान में अंबेडकर जी की भूमिका'** पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जाना है इस तारतम्य में **"मौलिक कर्तव्य पर चर्चा"** करने हेतु व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें राजनीति शास्त्र से वरिष्ठ प्राध्यापक डह संध्या सिंगारे एवं अतिथि व्याख्याता ने व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा प्राचार्य ने विस्तृत उद्बोधन दिया । छात्र-छात्राओं ने भी इस चर्चा पर विशेष रूचि दिखाई। साथ ही गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. शबनूर सिद्दीकी, इतिहास विभाग ने उद्बोधन के साथ श्रद्धांजलि स्वरुप गांधी जी के जीवन के प्रश्न-विचारा इत्यादि पर चर्चा की एवं उनके आदर्शों को जीवन में उतारने की शपथ ली गई।

-: इतिहास विभाग :-

08/08/2019 – भारत छोड़ो आंदोलन अगस्त क्रांति के उपलक्ष्य में डॉ. रमेन्द्र नाथ मिश्र, पूर्व आचार्य विभागाध्यक्ष (सेवानिवृत्त) इतिहास विभाग प. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर का व्याख्यान आयोजित की गई।

26/08/2019– उन्मुखीकरण कार्यक्रम **(Induction Program)** का आयोजन बी.ए. प्रथम वर्ष एवं एम.ए. राजनीति शास्त्र प्रथम सेमेस्टर हेतु आयोजित किया गया।

03/09/2019– पावर प्वाइंट प्रेज़ेन्टेशन **(PPT) –** बी.ए. प्रथम के विद्यार्थी मनीष नेताम, शैलेन्द्र चक्रधारी एवं रेखराम चक्रधारी द्वारा 'सिन्धुघाटी की सभ्यता' पर प्रस्तुतिकरण दिया।

31/10/2019– सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंति - छात्रों ने इस अवसर पर पटेल जी के जीवन पर व्याख्या एवं देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। प्राध्यापक डॉ. शबनूर सिध्दिकी ने सरदार पटेल जी और रियासतों पर विस्तार से चर्चा की।

16/11/2019– कक्षा सेमीनार - चालुक्य वंश/कुषाण वंश "मो. गोरी के भारत आक्रमण" विषय पर बी.ए. प्रथम के छात्र-छात्राओं ने सेमीनार प्रस्तुत किया।

03/12/2019– **Best Out of Waste Competition – ACICI** एवं गांधी जी के स्वच्छता अभियान को ध्यान में रखते हुये उक्त प्रतियोगिता आयोजित की गई है। छात्र-छात्राओं को उनकी कलाकृतियाँ/मॉडल हेतु पुरस्कृत भी किया गया।

04/12/2019– अन्तर्विभागीय गतिविधि - राजनीति विज्ञान के एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं हेतु इतिहास विभाग की प्राध्यापक डॉ. शबनूर सिध्दिकी द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया।

11/01/2020– शैक्षणिक भ्रमण - छात्र/छात्राओं को ऐतिहासिक स्थल सिरपुर, छत्तीसगढ़ शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान छात्र/छात्राओं को सिरपुर स्थित लक्ष्मण मंदिर संग्रहालय व अन्य ऐतिहासिक /दार्शनिक स्थलों से संबंधित जानकारी प्रदान की गई व छात्रों ने इस पर पी. पी.टी. एवं रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।

30/01/2020– महात्मा गाँधी की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में प्राचार्य, प्राध्यापक डॉ. शबनूर सिध्दिकी व छात्र-छात्राओं ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

डॉ. शबनूर सिद्दीकी

प्राध्यापक - इतिहास

-: राजनीति विभाग :-

21/07/2019 – बी.ए., एम.ए. क छात्रों को लेकर चरौदा का शक्ति पीठ मंदिर का भ्रमण किया गया, यह मंदिर साम्प्रदायिका की अनूठी मिसाल है।

26/08/2019– उन्मुखीकरण कार्यक्रम **(Induction Program)** का आयोजन बी.ए. प्रथम वर्ष एवं एम.ए. राजनीति शास्त्र प्रथम सेमेस्टर हेतु आयोजित किया गया।

09/09/2019– एम.एम. राजनीति के छात्र/छात्राओं द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया।

26/09/2019– पालक-शिक्षक बैठक **(PTM)** आयोजित की गई।

03/10/2019– स्वचछता अभियान के अंतर्गत एम.एम. राजनीति के छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षा की सफाई की गई। विभागाध्यक्ष ने भी अभियान में अपनी सहभागिता दिखाई।

04/10/2019– गांधी जयंति के उपलक्ष्य में समान ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई।

11/01/2020– एम.एम. राजनीति के छात्र/छात्राओं को ऐतिहासिक स्थल सिरपुर, छत्तीसगढ़ शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया।

डॉ. संध्या सिंगारे
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
राजनीति विभाग

एम.ए राजनीति प्रथम वर्ष के छात्र,छात्राओं द्वारा अपनी कक्षा की साफ सफाई करते हुवे

-: वनस्पति विज्ञान विभाग :-

सत्र **2019-2020** में महाविद्यालय के बी.एससी भाग एक, दो एवं तीन का पाठ्यक्रम निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया गया। समय-समय पर अकादमिक कलेन्डर के अनुसार **Unit test** तथा **Pre-final test** का आयोजन हुआ साथ ही विज्ञान संकाय में पालक की बैठक भी आयोजित की गई।

- जनवरी **2020** में महाविद्यालय में विज्ञान संकाय द्वारा राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन श्री कौशल किशोर, सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष की देखरेख में किया गया। इसमें सेमिनार के संपोषक डॉ.डी.एस.जगत प्राचार्य एवं अन्य प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यपक सक्रिय सहयोग रहा।
- प्रवेश से वंचित **20** छात्राओं के किए पृथक से अध्यापन व्यवस्था कर नियमित छात्रों की तरह सैद्धान्तिक एवं प्रयोगिक कार्य पूर्ण कराये गये।
- विभागाध्यक्ष जो छात्रसंघ प्रभारी भी हैं के द्वारा छात्रसंघ गठन एवं वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन कराया गया।
- बी.एस.सी भाग एक एवं तीन को छात्र-छात्राओं द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत हानिकारक खर-पतवार का उन्मूलन किया गया।
- बी.एससी. भाग एक के पाठ्यक्रम में वर्णित पादप रोग की व्यवहारिक जानकारी छात्रों को की गई जिससे पपीता, भिन्डी, टमाटर, आलू की फसलों की रक्षा हो सके । इस जानकारी को छात्र/छात्राओं द्वारा ग्रमीण कृषकों तक पहुचाने का प्रयास किया गया।
- बी.एससी भाग तीन के पाठ्यक्रमानुसार छात्रों को जल परीक्षण जैवविविधता एवं औषधिए पौधे की पहचान एवं संरक्षण की जानकारी की गइ। इसके साथ ही पौधे लगाना एवं नर्सरी व्यवसाय एवं उसके संवर्धन के ज्ञान का प्रशिक्षण दिया गया।
- अन्य वर्षों की भांति बायो समूह के सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को स्व. डॉ. जी.पी. राय स्मारक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया ।

श्री. कौशल किशोर

सहायक प्राध्यापक, वनस्पति शास्त्र विभाग

–: Department of English:–

Established in 1989 the department of English of Govt. Pt. Shyamacharan Shukla College, Raipur has had an illustrious past and is working towards a promising future. Department actively engaged in the process of admission of the new students of the dept. of English as well as other departments. In addition to traditional chalk and talk method classes special interactive classes by applying group discussion, question-answer, demonstration method is arranged to encourage the students and thereby improve their learning. In house seminars frequently organized by the department to help the students to acquire knowledge, skill and self-confidence. Special classes are held for slow learners. The hidden creativity of the students is manifested through the publication of Wall Magazine in the department. Classes are taken through the use of technology by means of slide show presentation etc. Interest is grown among the learners by showing them films on different dramas and novels in the syllabus.

In addition to the formal methods the greatest strength of the department has been the teacher student intimate relationship that has kept the department alive. The department ensures programme objectives through constant monitoring of students, who are required to undergo formal and informal internal assessment. Other methods implemented include classroom debates on topics being discussed, home assignments.

Students feedback has been a regular feature of the college, applied to all faculty members of all departments. The department receives its feedback, while the teachers are given theirs. In both instances the faculty meets and discusses the feedback through. Due consideration is given to every aspect of the feedback and adequate measures, if considered necessary, are taken. The department furthers the interactive process of obtaining student response by meeting them formally. The performance of each student is discussed and students' opinions on the teaching-learning process carefully assessed. There is no formal system of obtaining from alumni in particular. However former students keep in touch with their Alma-Mater and reports of their success.

Sushama

Dr. Sushama Mishra

Asst. Prof. & Head
Department of English

–: Department of Physics :–

The department of physics has organized various activities during the session 2019-20 as according to the calendar. In the very beginning of the session the department has conducted an induction program for B.Sc.I year's students. It was a joint effort by the science faculty. In the month of August on 29th day the eleven students from B.Sc.III year have been taken out for a field trip to nearest Industrial establishment "Nandan Steels Limited" Siltara Raipur (C.G.) Based on the above visit the students have submitted an assignment on the industrial establishment to the department. Also, these students have planted some sapling in that campus. Every year the department conducts classroom seminar for B.Sc.III year students. Various NPTEL lectures, video lectures were shown to the students. In the month of January on 17-18 day the department in collaboration with the faculty of science (Department of Botany & chemistry) has conducted a national level seminar on the topic "Advance materials for sustainable industrial and social application" i.e. NSAMSISA-2020. In this seminar we received a total of 56 abstract from six different states. Out of which people from three different states have participated. In this seminar keynote address, invited talks, oral talks and poster presentation were presented by the participants.

Along with this the department also tries to perform research activities. During this session the faculty has participated in two international conferences (One in Nepal) and presented the research work orally and also presented paper in one national level conference. Apart from this the faculty has delivered an "invited talk" in a national workshop organized by OP Jindal University, Raigarh.

Dr. G.N. Bhargavi

Asst. Prof. & Head
Department of Physics

–: गणित विभाग :–

सत्र **2019 - 20** में बी.एससी. प्रथम वर्ष में कुल **57,** द्वितीय वर्ष में **43** एवं तृतीय वर्ष में **32** छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं तथा एम.एस.सी. गणित पूर्व में **15** एवं अंतिम में **14** छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत है। गणित विभाग में प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक के एक-एक पद स्वीकृत है, जिसमें सहायक प्राध्यापक के पद पर नियमित नियुक्ति है एवं प्राध्यापक के रिक्त पद पर अतिथि व्याख्याता नियुक्त है। सत्र **2019 - 20** में महाविद्यालय में आयोजित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में विभाग के छात्र-छात्राओं की प्रतिभागिता रही एवं विभन्न प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। विज्ञान संकाय द्वारा अयोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में छात्र-छात्राओं की प्रतिभागिता सराहनीय रही। विभाग द्वारा व्यकितगत स्तर पर पुस्तकों का संग्रहण कर विभागीय लाइब्रेरी बनाकर छात्र-छात्राओं की पुस्तकों की कमी को दूर करने हेतु प्रयासरत है। स्नातक स्तर पर इस सत्र में बीएससी द्वितीय वर्ष (गणित) में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने हेतु उमेश साहू को एवं बी.एस.सी. तृतीय वर्ष (गणित) में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने हेतु रइसुन निशा को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

इस सत्र के छात्रसंघ पदाधिकारियों में गणित विभाग के उमेश साहू, सचिव के पद पर एवं रइसुन निशा उपाध्यक्ष के पद पर चयनित हुए है। स्नातकोत्तर स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने हेतु एम.एससी द्वितीय सेमेस्टर (गणित) में कु. दिव्यानी रजक एवं एम.एससी चतुर्थ सेमेस्टर (गणित) में कु. शीतल वर्मा को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। विभाग में अध्ययापन को प्रभावी बनाने हेतु विभाग द्वारा पावर प्वांइन्ट प्रेजेन्टेशन तैयार कर पढ़ाया जाता है साथ ही स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं द्वारा पाठ्यक्रम संबंधित विषयों पर सेमीनार दिया गयां। छात्र-छात्राओं को विभिन्न विषयों को प्रभावी ढंग से पढ़ाने हेतु एवं छात्र-छात्राओं को नई **Technology** के प्रयोग को समझाने हेतु विभाग प्रयासरत है ।

Devangan

डॉ. निधि देवांगन

सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

गणित विभाग

-: वाणिज्य विभाग :-

महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग की स्थापना सत्र **2017-18** में हुई है । सत्र **2019-20** में बी.कॉम. प्रथम वर्ष में कुल **61** एवं द्वितीय वर्ष में कुल **46** एवं बी.कॉम. तृतीय में कुल **12** छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत रहे । वाणिज्य संकाय में सहायक प्राध्यापक के कुल **3** स्वीकृत पदों पर नियमित सहायक प्राध्यापक नियुक्त हैं। सत्र **2019-20** में महाविद्यालय की समस्त साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में वाणिज्य संकाय के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभागिता दर्ज की गयी एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा ।

- विभाग के बी.काम. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र छात्राओं द्वारा अंतरमहाविद्यालयीन एथलेटिक्स एवं कबड्डी प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया ।
- विश्वविद्यालय सम्बद्धता समिति द्वारा बी.काम. अंतिम वर्ष को सम्बद्धता प्रदान की गई।
- वाणिज्य विभाग में सत्र **2019-20** में सीट संख्या में वृद्धि के साथ **80** हो गई है।
- छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न विषयों से संबंधित पावर पाइंट प्रेजेन्टेशन तैयार किया गया। साथ ही विभाग स्तर पर सहायक प्राध्यापकों द्वारा छात्र-छात्राओं हेतु विभिन्न विषयों से संबंधित समूह परिचर्चा एवं विषय से संबंधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया।
- दिनांक **1-10-2019** को स्वच्छता दिवस के तहत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा कक्ष क्र.**05** स्मार्ट कक्ष की साफ-सफाई की गई ।
- महाविद्यालयीन स्तर पर आयोजित सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी में भी रूपेन्द्र साहू ने छठवां एवं काजल यादव ने ग्यारवां स्थान प्राप्त कर मेडल प्राप्त किया गया ।
- बी.काम. द्वितीय वर्ष की छात्रा कु. हेमिन साहू ने कक्षा में सर्वोत्तम अंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया । साथ ही कु. दुर्गा देंवागन का भी उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा।
- वाणिज्य संकाय की सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनीता दुबे द्वारा रेड क्रॉस प्रभारी के रूप में महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया ।
- वाणिज्य संकाय के सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार सिंह ने एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी के रूप में सात दिवसीय शिविर का आयोजन कर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया ।
- विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ सुनीता दुबे एवं सुश्री अदिति भगत द्वारा एन.एस.एस. सात दिवसीय शिविर में में भाग लेकर छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन प्रदान किया ।
- विभाग के सहायक प्राध्यापकों द्वारा पर्यावरण परियोजना कार्य को सम्पन्न कराया गया।
- विभाग में सहायक प्राध्यापकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से पुस्तकों पत्र-पत्रिकाओं का संग्रहण कर विभागीय लाईब्रेरी बनाकर छात्र-छात्राओं को पुस्तकों की कमी को दूर करने हेतु प्रयासरत है।
- दिनांक **23-12-2019** को वाणिज्य विभाग द्वारा युवाओं में **"उद्यमिता : अवसर एवं संभावनाएँ"** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री हरीश केडिया, उद्योगपति द्वारा छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ ही स्वरोजगार स्थापित करने एवं सफल उद्यमी बनने हेतु भी प्रोत्साहन एवं जानकारी प्रदान की गई ।

डॉ. सुनीता दुबे
सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
वाणिज्य विभाग

-: रसायन शास्त्र विभाग :-

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कक्षायें जुलाई **2019** में प्रारंभ हो चुकी थीं। बी.एस.सी. प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष का रसायन शास्त्र सैध्दांतिक व प्रायोगिक कक्षायें समय सारिणी के अनुसार संचालित हुआ। समय-समय पर टेस्ट, कक्षा सेमिनार संचालित किया। तीनों वर्षों का पाठ्यक्रम फरवरी माह तक पूर्ण करा ली गई साथ ही प्रायोगिक परीक्षायें भी फरवरी माह में संपन्न करायी गई। मार्च के प्रथम सप्ताह से वार्षिक सैध्दांतिक परीक्षायें प्रारंभ हुई, जो कोरोना संक्रमण के कारण स्थगित हो गया।

जनवरी **17, 18** को विज्ञान संकाय द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विज्ञान विभाग के समस्त छात्रों ने भाग लिया।

श्री हेमन्त कुमार देशमुख
सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
रसायन शास्त्र विभाग

-: हिन्दी विभाग :-

27-09-2019 - काव्यपाठ व भाषण प्रतियोगिता - विभाग में हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत काव्यपाठ व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ''वर्तमान परिदृश्य में हिन्दी'' टॉपिक पर एम.ए.प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख डॉ.डी.एस.जगत, डॉ.सी.एल.साहू विभागाध्यक्ष तथा अतिथि व्याख्यता डॉ. मीता अग्रवाल व बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

01-10-2019 - स्वच्छता अभियान - महाविद्यालय में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया जिसमें हिन्दी विभाग के छात्र-छात्राओं ने विभाग की साफ-सफाई की।

06-12-2019 - संगोष्ठी - स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम से प्रमुख कवि एवं लेखकों के रचनाकर्म पर विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

19-12-2019 - परीक्षा परिचर्चा - सेमेस्टर परीक्षा को ध्यान में परीक्षोपयोगी जानकारी व नये पैटर्न के अनुसार उत्तर लेखन हेतु छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया।

डॉ. सी.एल. साहू
सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग

–: Department of Sociology:–

The department of Sociology has organized various activities during session 2019-20 as according to the academic calendar. Following are the details about the academic and other activities performed by the department-

30.07.2019 - An educational tour was organized by the joint effort of Dept. of History, Political Science and Sociology at 'Mahadev Shakti Pith' the archeological heritage of Dharsiwa block.

13.08.2019 - Class seminar organized for the class B.A.I year.

26.08.2019 - Orientation programme has been conducted by faculty of Arts.

28.08.2019 - PPT presentation by the students on 'Social Structure'.

11.10.2019 - Class seminar was organized on topic ' Family, Marriage and Kinship'.

21.12.2019 - Report writing presentation by B.A. I year students on the topic' Youth Unrest' was Conducted.

- 'Late Mr. Philip Kujur Memory' Gold Medal was awarded to Shekhar Saytode as best student of Sociology.
- Again one more Gold Medal of Late Shri. Johna Ram and Mohini Bai Memory' award given to Yogesh Sahu of Arts faculty.
- Anil Yadu, Mohit Yadav and Wasni Kaushal are the students of Sociology wins various medals in university level sports competition of Kabaddi and Javelin throw.
- Students of Sociology are also participated and win in various cultural and literary activities organized by the University (Youth Festival) as well as our college.

Apart from this the department is actively engaged in doing research activities. During the session 2018-19 one major research project titled' Traditional Tribal Market and Livelihood: A Sociological Study (With special reference to Chhattisgarh and Jharkhand States)' was proposed to ICSSR. The faculty has participated in one international and one national level seminar in this session.

Dr. Rashmi Kujur

Asst. Prof.
Department of Sociology

-: राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) :-

- दिनांक **21** जून **2019** को अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर में इन्द्रप्रस्थ स्टेडियम धरसींवा में योग का आयोजन किसा गया, जिसमें महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक भी सम्मिलित हुए।
- दिनांक **19** जुलाई **2019** को पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया जिसमें **300** पौधे रोपित किये गये।
- महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस दिनांक **31-10-2019** को स्वयं सेवकों द्वारा मनाया गया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति जागरुकता हेतु दिनांक **10-11-2019** को ग्राम मोहदा में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना की सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम नगर गाँव में दिनांक **07-12-2019** से **13-12-2019** तक आयोजित किया गया। इस शिविर की दैनिक दिनचर्या - प्रभात फेरी, योग, जागरुकता रैली, परियोजना कार्य सर्वे कार्य, बौध्दिक परिचर्चा सांस्कृतिक कार्यक्रम रही।
- महाविद्यालय में दिनांक **17-01-2020** एवं **18-01-2020** को विज्ञान संकाय द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने वालेन्टियर के रुप में सहयोग प्रदान किया।
- स्वामि विवेकानन्द जी के जयंति पर **12-01-2020** को राष्ट्रीय सेवा के स्वयं सेवकों द्वारा युवा दिवस मनाया गया।
- सत्र **2019&20** का राष्ट्रीय सेवा योजना के सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक स्वर्ण पदक (स्व. जोहनाराम-मोहिनीबाई स्मृति पुरस्कार) के लिये योगेश साहू, बी.ए.द्वितीय को सम्मानित किया गया।

डॉ. संजय कुमार सिंह
सहायक प्राध्यापक वाणिज्य
कार्यक्रम अधिकारी (रा.से.यो.)

-: NCC :-

NCC (National Cadet Corps) a voluntary organization administration by the Ministry of Defense, with motto “Unity and Discipline” propelling in channeling the force of vibrant youth in Nations building since 1948. NCC syllabus has been evolved to an integrated program based on three-year basic course at the college level, with all advantage of excursive adventurous training camps preparing for all round development of personality and writing ‘B’ & ‘C’ certificate exams extending opportunities for recruitments in armed forces and other sectors. NCC camps play vital role in national integration through coalesce living among varied caste, creed & culture.

Ultimate aim of this organization is to blossom leadership, comradeship, courage, sportsmanship, secular outlook and an ideal of selfless service.

It was certainly a proud moment when NCC Unit under ‘Army Wing’ was raised in our college in November 2017 under the aegis of 8CG NCC Girls BN, Raipur (Group HQ Raipur) MP & CG Directorate.

NCC Activities Conducted during the Year

1. **International Yoga Day 21st June 2019, participation by 18 cadets.**
2. **Rally on “Soil Pollution” on 09th July 2019.**
3. **Pledge to save Earth on 17 July 2019 under: “My Earth My Duty” campaign.**
4. **Swachchhata Pakhwada I – 17.09.2019 to 02.10.2019**
5. **Celebration of “Kargil Vijay Diwas” on the eve of Kargil Vijay Diwas on 25th July 2019 –Drawing competition was held.**
6. **Swachchhata Pakhwada II – 01 – 15 Dec 2019**
7. **Aids Awareness Quiz competition on 01.12.2019**

Lt. Sushama Mishra

Associate Officer, NCC

-: यूथ रेड क्रॉस (Youth Red Cross) :-

महाविद्यालय में पंजीकृत यूथ रेड क्रास सत्र **2017-18** से कार्यरत है। सत्र **2019-20** के लिए प्राचार्य की अध्यक्षता में यूथ रेड क्रास समिति का गठन किया गया। जिसमें प्राचार्य अध्यक्ष एवं सहायक प्राध्यापक, क्रीड़ा अधिकारी, एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी सदस्य हैं । साथ ही वाणिज्य, कला एवं विज्ञान संकाय से एक-एक छात्रा प्रतिनिधि शामिल हैं । रेड क्रॉस यूनिट द्वारा सत्र में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

- सत्र के प्रारंभ में वाणिज्य, कला एवं विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं को व्याख्यान दिया गया जिसमें यूथ रेड क्रॉस के उद्देश्य कार्य एवं वार्षिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई ।
- दिनांक **19-09-2019** को यूथ रेड क्रॉस यूनिट द्वारा "पोषण सुरक्षा -अहम आवश्यकता" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें डॉ. सीमा शुक्ला विशेषज्ञ चिकित्सक आयूर्वेद द्वारा व्याख्यान दिये जाने के साथ ही महाविद्यालय के लगभग **80** छात्र-छात्राओं की व्यक्तिगत समस्याओं का निराकरण भी किया गया ।
- दिनांक **20-09-2019** को यूनिट द्वारा आकांक्षा दिव्यांग स्कूल , धरसींवा के छात्र- छात्राओं को यूनिफार्म, स्टेशनरी किट एवं पोषण आहार किट का भी वितरण किया गया जिसमें सभी सहायक प्राध्यापक एवं प्राध्यापकों का सहयोग रहा ।
- **15-11-2019** को बाल दिवस के उपलक्ष्य में आकांक्षा दिव्यांग स्कूल के छात्र-छात्राओं को बिस्किट चाकलेट एवं अन्य सामग्री का वितरण किया गया ।
- दिनांक **14-01-2020** को महाविद्यालय रेडक्रॉस यूनिट, आयुर्वेद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र धरसीवां एवं जिला नशा मुक्ति केन्द्र रायपुर छ.ग. के संयुक्त तत्वाधान में तंबाकु नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सीमा शुक्ला एवं डॉ. मोहित मानिक डेंटल सर्जन ने छात्र -छात्राओं को नशे से होने वाली हानि के बारे में बताया तथा लगभग **70** छात्र-छात्राओं की व्यक्तिगत समस्याओं का निराकरण भी किया गया।

डॉ. सुनीता दुबे
प्रभारी रेड क्रॉस
सहा. प्राध्यापक, वाणिज्य संकाय

–: क्रीड़ा विभाग (Sports) :–

इस वर्ष महाविद्यालय को खेल कूद की निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित हुई - अन्तर महाविद्यालय एवं क्षेत्रस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम -
कबड्डी पुरुष एवं महिला, एथलेटिक्स, क्रॉस कन्ट्री दौड़, क्रिकेट पुरुष, सॉफ्ट बॉल एवं हैडबॉल।

- कबड्डी - पुरुष एवं महिला टीम द्वारा क्वाटर फाईनल में प्रदर्शन रहा।
- क्रॉस कन्ट्री दौड़ - **12.5** किलोमीटर में : **8**वां एवं **9**वां स्थान रहा।
- सॉफ्ट बॉल - सेमीफाईनल में प्रदर्शन रहा एवं एक छात्र हिमांशु यादव बी.एस.सी - द्वितीय ने रायपुर जिले का प्रतिनिधित्व करते हुये राज्य स्तरीय विजेता टीम का सदस्य रहा।
- सॉफ्ट बॉल - महाविद्यायीन टीम अन्तर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता में सेमीफाईनल खेली तथा राहुल यादव बी.एस.सी - प्रथम का चयन ऑल इन्डिया सॉफ्ट बॉल प्रतियोगिता हेतु पं. रविशंकर शुक्ल वि. वि. रायपुर टीम का सदस्य चयनित हुआ।

श्री. अनिल कुमार महोबिया

क्रीड़ा अधिकारी

Gallery

Benefaction –A helping hand

Cleanliness

NSS Camp

Gallery

Annual Day

Gallery

स्व. श्री नरेन्द्र जैन

स्मृति सुमन

निधन : 20 नवंबर 2019

सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र के पद पर इस महाविद्यालय में पदस्थ थे।अपने विषय मे महारत प्राप्त (ळवसक डमकंसपेज), विद्यार्थियों के प्रिय जैन स ंको महाविद्यालय परिवार श्रद्धा सुमन अर्पित करता है। इनकी स्मृतियां व योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगी ।

"Coming together is a beginning, staying together is progress, and working together is success" – By Henry Ford